अध्याय 6

आखिरी चट्टान तक

लेखक/कवि: निर्मल वर्मा

[गद्य खंड]

कक्षा	9
विषय	हिंदी
पुस्तक	NCERT 'गंगा'
पाठ का स्रोत	
आवश्यक अवधियाँ	3
प्रत्येक अवधि का समय	40 मिनट

◆ अवधारणाएँ (Concepts)

1. यात्रा-वृत्तांत की विशेषताएँ और लेखन शैली

यह पाठ यात्रा-वृत्तांत के रूप में प्रस्तुत है, जिसमें लेखक अपने अनुभवों, भावनाओं और अवलोकनों को सजीव रूप में वर्णित करता है। विद्यार्थी यात्रा-वृत्तांत की संरचना, चित्रात्मक भाषा और वर्णनात्मक शैली को समझेंगे।

2. प्रकृति का सौंदर्य और मानव की संवेदनशीलता

लेखक पहाड़, चट्टान और प्राकृतिक दृश्यों के माध्यम से प्रकृति के विभिन्न रूपों की संवेदनशील अनुभूति प्रस्तुत करता है। विद्यार्थी प्रकृति के प्रति सराहना एवं संवेदनशीलता का भाव विकसित करेंगे।

3. आत्मानुभूति और अंतर्मन की यात्रा

यह पाठ केवल बाहरी यात्रा का वर्णन नहीं, बल्कि लेखक की आंतरिक अनुभूतियों की भी यात्रा है। विद्यार्थी समझेंगे कि प्रकृति के साथ एकांत में बिताया समय आत्मचिंतन और स्वयं को जानने का अवसर देता है।

◆ अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- पाठ का सारांश अपने शब्दों में क्रमबद्ध एवं स्पष्ट रूप से लिख सकेंगे।
- यात्रा-वृत्तांत की विशेषताओं को पहचानने एवं समझाने में सक्षम होंगे।
- प्रकृति के प्रति लेखक की भावनाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

- कठिन शब्दों का अर्थ समझकर उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।
- वर्णनात्मक शैली में स्वयं का अनुभव लिख सकेंगे।
- प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सराहना का भाव विकसित कर सकेंगे।

◆ शिक्षण-अधिगम रणनीतियाँ (Pedagogical Strategies)

प्रवेश गतिविधि: शिक्षक प्रश्न पूछेगा— "क्या आपने कभी किसी प्राकृतिक स्थान की यात्रा की है? वह अनुभव कैसा था?" विद्यार्थी अपने अनुभव साझा करेंगे।

आदर्श वाचन: शिक्षक पाठ का भावपूर्ण वाचन करेगा, जिससे विद्यार्थियों को भाषा की सुंदरता का अनुभव होगा।

व्याख्या विधि: शिक्षक पाठ के अंशों को सरल भाषा में समझाएगा तथा कठिन अंशों को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट करेगा।

समूह चर्चा: विषय: "प्रकृति के साथ समय बिताना क्यों आवश्यक है?"

चित्रात्मक गतिविधि: विद्यार्थी अपनी कल्पना के अनुसार किसी प्राकृतिक दृश्य का चित्र बनाएँगे।

◆ अन्य विषयों के साथ समेकन (Integration)

- भूगोल: प्राकृतिक स्थल एवं पर्यावरण
- विज्ञान: पर्यावरण संरक्षण
- कला शिक्षा: प्राकृतिक दृश्य का चित्रण
- अंग्रेज़ी: यात्रा-वृत्तांत का अनुवाद या लेखन
- मूल्य शिक्षा: प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता

◆ आकलन (Assessment)

- मौखिक आकलन: वाचन, प्रश्नोत्तर एवं चर्चा।
- लिखित आकलन: लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।
- चित्रण एवं समूह कार्य में सहभागिता।
- रचनात्मक लेखन: "मेरी यादगार यात्रा" विषय पर अनुच्छेद।
- कार्यपत्रक: शब्दार्थ, मिलान, रिक्त स्थान एवं व्याख्या।

◆ शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)

- NCERT पाठ्यपुस्तक (गंगा)
- श्यामपट एवं मार्कर
- प्राकृतिक दृश्यों के चित्र/वीडियो
- मानचित्र (Map)
- कार्यपत्रक

◆ विस्तार गतिविधियाँ / जीवनोपयोगिता

- प्राकृतिक स्थानों की यात्रा करना।
- पर्यावरण संरक्षण के उपाय अपनाना।
- यात्रा-वृत्तांत पढ़ना और लिखना।

◆ इक्कीसवीं सदी के कौशल / मूल्य शिक्षा

- संचार कौशल: अनुभवों को व्यक्त करना।
- रचनात्मकता: वर्णनात्मक लेखन एवं चित्रण।
- आलोचनात्मक चिंतन: प्रकृति और मानव संबंध का विश्लेषण।
- मूल्य शिक्षा: पर्यावरण संरक्षण एवं संवेदनशीलता।

◆ पाठोपरांत चिंतन (Post Teaching Reflection)

- क्या विद्यार्थियों ने पाठ के भाव एवं प्रकृति के महत्व को गहराई से समझा?
- क्या वे वर्णनात्मक शैली में अपने अनुभव प्रभावी रूप से लिख पाए?

◆ उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

- कठिन शब्दों का पुनः अभ्यास कराया जाएगा।
- पाठ को सरल भाषा में पुनः समझाया जाएगा।
- कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त लेखन अभ्यास दिया जाएगा।

◆ अवधि-वार शिक्षण योजना (Period-wise Planning)

- प्रथम अवधि: प्रवेश गतिविधि, पाठ का वाचन, शब्दार्थ एवं प्रारंभिक व्याख्या।
- द्वितीय अवधि: शेष पाठ की व्याख्या, समूह चर्चा एवं चित्रात्मक गतिविधि।
- तृतीय अवधि: पुनरावृत्ति, प्रश्नोत्तर, कार्यपत्रक एवं आकलन।